Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
12 Dec.2024
2024/12/13 09:14

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

UPSC Syllabus Relevance:

- जीएस पेपर 3: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो टेक्नोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समसामयिक घटनाक्रम और जागरूकता

2024/12/13 09:14

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

चर्चा में क्यों?

- IIT मद्रास और TuTr भारत में हाइपरलूप तकनीक का विकास कर रहे हैं। इससे अत्याधुनिक, तेज़ और समय बचाने वाले परिवहन प्रणाली का निर्माण होगा। मुंबई-पुणे प्रोजेक्ट से यात्रियों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा।

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

प्रमुख बिंदु:

- IIT मद्रास ने 410-मीटर लंबा हाइपरलूप परीक्षण ट्रैक सफलतापूर्वक विकसित किया है।
- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की।
- IIT मद्रास की टीम और TuTr स्टार्टअप भारत की पहली वैक्यूम ट्रेन विकसित कर रहे हैं।
- अविष्कार हाइपरलूप परियोजना पर 76 छात्रों की टीम कार्यरत है।

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

प्रमुख बिंदु:

- पहला चरण 11.5 किलोमीटर का ट्रैक निर्माण और प्रौद्योगिकी परीक्षण पर केंद्रित है।
- दूसरा चरण 100 किलोमीटर के मार्ग के विस्तार के लिए होगा।
- ट्रेन की प्रस्तावित अधिकतम गति 1100 किमी/घंटा और परिचालन गति 360 किमी/घंटा है।
- मुंबई-पुणे के बीच हाइपरलूप प्रोजेक्ट से यात्रा का समय मात्र 25 मिनट हो जाएगा।

2024/12/13 09:14

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

चयनित मार्ग:

- मुंबई-पुणे कॉरिडोर: भारत की पहली पूर्ण-स्तरीय हाइपरलूप प्रणाली के लिए प्रस्तावित स्थान।
- दूरी: यह मार्ग लगभग 140 किमी लंबा है।
- यात्रा समय: इस हाई-स्पीड प्रणाली से यात्रा का समय 3 घंटे से घटकर सिर्फ 30 मिनट हो सकता है।

25-30

Result Mitra

भारत के पहले हाइपरलूप ट्रैक का परीक्षण

चयनित मार्ग:

- मुंबई-पुणे कॉरिडोर: भारत की पहली पूर्ण-स्तरीय हाइपरलूप प्रणाली के लिए प्रस्तावित स्थान।
- दूरी: यह मार्ग लगभग 140 किमी लंबा है।
- यात्रा समय: इस हाई-स्पीड प्रणाली से यात्रा का समय 3 घंटे से घटकर सिर्फ 30 मिनट हो सकता है।

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

- फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी: हाइपरलूप एक अत्याधुनिक परिवहन प्रणाली है जो मैग्नेटिक लेविटेशन (मैगलेव) और कम दबाव वाली निर्वात ट्यूबों का उपयोग कर अल्ट्रा-फास्ट यात्रा को संभव बनाती है।
- हाइपरलूप एक प्रस्तावित परिवहन प्रणाली है जिसमें पॉड्स या कंटेनर तेज गति से एक लगभग निर्वात ट्यूब के माध्यम से चलते हैं।

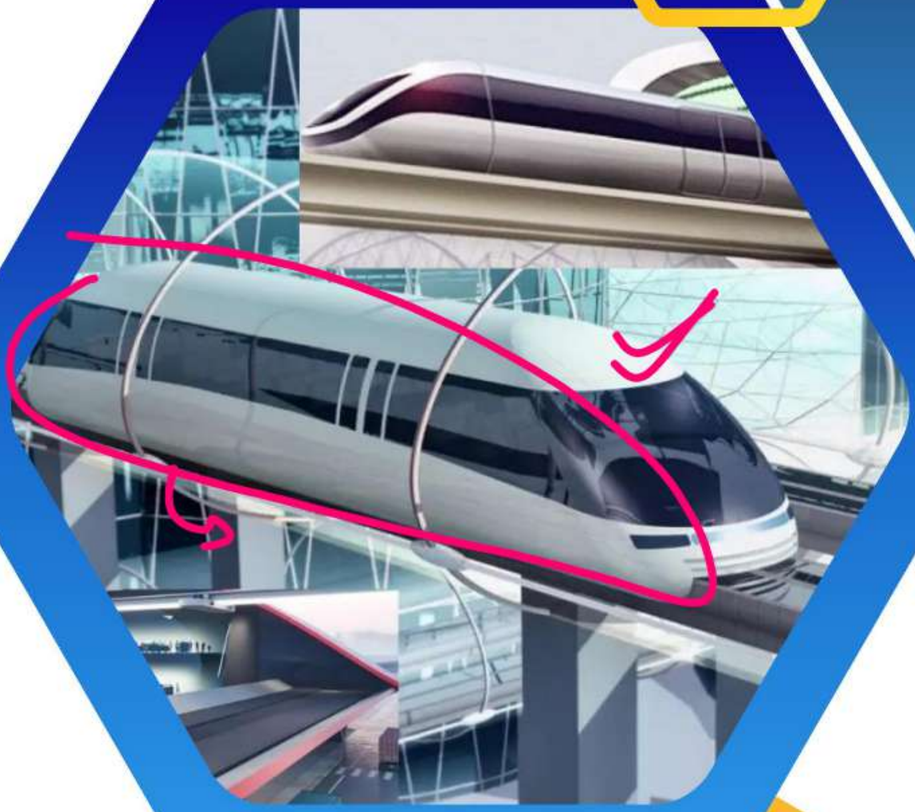

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

- ट्रेन पॉड्स चुंबकीय उत्थापन (मैग्नेटिक लेविटेशन) तकनीक का उपयोग कर हवा में तैरते हैं।
- इन पॉड्स की अधिकतम गति 760 मील/घंटा तक हो सकती है।
- पॉड को शुरुआत में एक इलेक्ट्रिक मोटर से लॉन्च किया जाता है, जिसके बाद यह कम-दबाव वाले वातावरण में स्थिर गति से चलता है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

- परिवहन में क्रांति: यह पारंपरिक परिवहन के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प प्रदान करते हुए यात्रा समय को काफी हद तक घटाने का लक्ष्य रखता है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

प्रमुख तकनीक और विशेषताएं

- निर्वात ट्यूब: कम दबाव वाली ट्यूबें हवा के प्रतिरोध को कम करती हैं, जिससे कम ऊर्जा खपत में उच्च गति संभव होती है।
- पॉड्स या कैप्सूल: यात्री और माल ढुलाई के लिए कैप्सूल ट्यूबों के अंदर चुंबकीय प्रणालियों से तैरते हुए यात्रा करते हैं।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

प्रमुख तकनीक और विशेषताएं

- मैग्नेटिक लेविटेशन: चुंबकीय बल का उपयोग पॉड्स को उठाने और चलाने के लिए किया जाता है, जिससे घर्षण कम होता है और तेज और सुगम यात्रा होती है।
- लीनियर इंडक्शन मोटर्स: इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम पॉड्स को कुशलतापूर्वक तेज और धीमा करता है।
- ऊर्जा दक्षता: ट्रैक के साथ लगे सोलर पैनल जैसी नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाती है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

फायदे:

- अत्यधिक गति: हाइपरलूप की गति 1000 किमी/घंटा से अधिक हो सकती है, जिससे लंबी दूरी तय करने में समय की बचत होती है।
- ऊर्जा दक्षता: पारंपरिक परिवहन प्रणालियों की तुलना में यह कम ऊर्जा का उपयोग करता है, और नवीकरणीय ऊर्जा (जैसे सौर और पवन ऊर्जा) के साथ इसे संचालित करना संभव है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

फायदे:

- पर्यावरण के अनुकूल: ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम है, जिससे यह पर्यावरण के लिए अनुकूल विकल्प बनता है।
- कम रखरखाव: चुंबकीय उत्तोलन तकनीक में घर्षण कम होता है, जिससे सिस्टम का रखरखाव लागत कम हो जाती है।
- सुरक्षा: संरक्षित ट्यूब संरचना बाहरी मौसम और दुर्घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करती है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

चुनौतियां:

- उच्च लागत: प्रारंभिक निर्माण और प्रौद्योगिकी के विकास में भारी लागत आती है।
- प्रौद्योगिकी और अवसंरचना: हाइपरलूप के लिए अत्यधिक उन्नत तकनीक और विशेष बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है।
- सुरक्षा मानक: इतनी उच्च गति पर संचालन के लिए कड़े सुरक्षा मानकों की आवश्यकता है।

Result Mitra

हाइपरलूप
एक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली

चुनौतियां:

- भौतिक चुनौतियां: ट्यूब के भीतर कम दबाव बनाए रखना और सिस्टम को स्थिर रखना जटिल है।
- नियामक और सामाजिक स्वीकृति: नई प्रौद्योगिकियों के लिए सरकारों से अनुमोदन और जनता का विश्वास प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- भूमि अधिग्रहण: लंबे ट्यूब नेटवर्क के लिए भूमि अधिग्रहण एक प्रमुख मुद्दा हो सकता है।

Result Mitra

2024/12/13 09:15

Result Mitra

भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24

UPSC Syllabus Relevance:

- जीएस पेपर 2: सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन) के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

2024/12/13 09:15

Result Mitra

भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24

चर्चा में क्यों?

- राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) 4 दिसंबर, 2024 को अपना 67वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर 'भारत में तस्करी - रिपोर्ट 2023-24' जारी की जाएगी और डीआरआई क्षेत्रीय सीमा शुल्क प्रवर्तन बैठक (RCEM) का आयोजन किया।

67वाँ

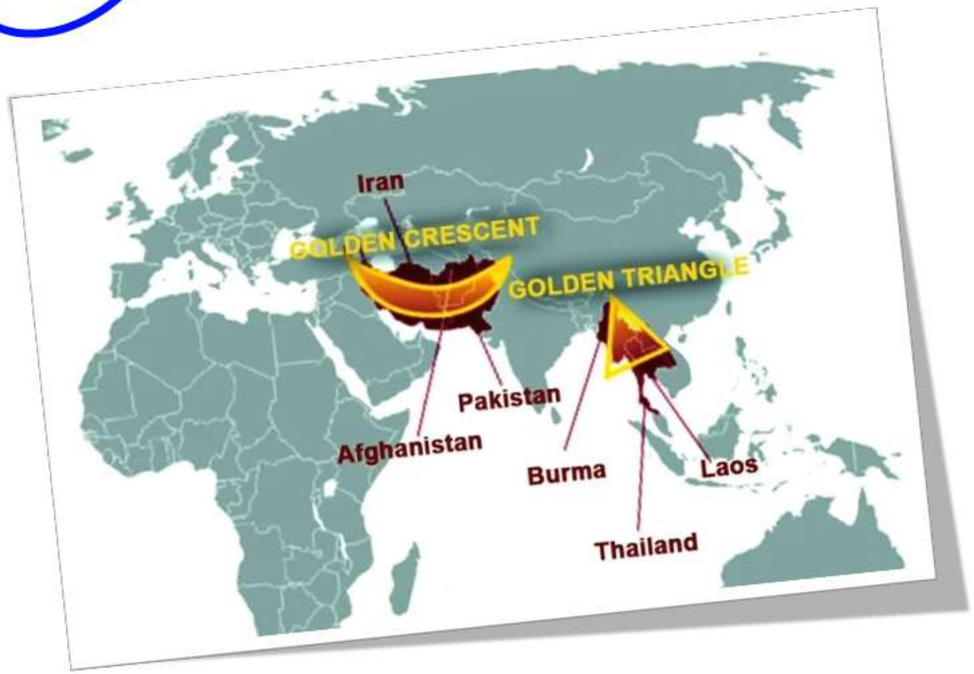

Result Mitra

भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24

प्रमुख बिंदु:

- राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) 4 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में अपना 67वां स्थापना दिवस मनाया।
- रिपोर्ट जारी: 'भारत में तस्करी - रिपोर्ट 2023-24' जारी की, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष में डीआरआई के प्रदर्शन, अनुभव और तस्करी व वाणिज्यिक धोखाधड़ी के रुझानों को रेखांकित किया गया है।

Result Mitra

भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24

प्रमुख बिंदु:

- **सीएमएए सहयोग:** डीआरआई अन्य देशों के साथ कस्टम्स म्यूचुअल असिस्टेंस एग्रीमेंट (CMAA) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय कस्टम सहयोग में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिसमें जानकारी साझा करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखना शामिल है।

Result Mitra

भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24

प्रमुख बिंदु:

- **क्षेत्रीय बैठक:** स्थापना दिवस समारोह के दौरान डीआरआई क्षेत्रीय सीमा शुल्क प्रवर्तन बैठक (RCEM) का आयोजन किया। इसमें यूएनओडीसी, आईएनसीबी और आरआईएलओ-एपी जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि तस्करी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।

डीआरआई के बारे में:

- स्थापना: डीआरआई की स्थापना 4 दिसंबर 1957 को हुई थी।
- मुख्यालय और यूनिट्स: इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, जिसमें 12 ज़ोनल, 35 क्षेत्रीय और 15 उप-क्षेत्रीय इकाइयां शामिल हैं।
- कर्मचारी: डीआरआई में 900 से अधिक अधिकारी कार्यरत हैं।

Result Mitra
2024/12/13 09:15

डीआरआई के बारे में:

- जिम्मेदारी: मादक पदार्थ, सोना, हीरे, कीमती धातुएं, वन्यजीव उत्पाद, हथियार, नकली मुद्रा, खतरनाक सामग्री, प्राचीन वस्तुएं, और वाणिज्यिक धोखाधड़ी से संबंधित मामलों का पता लगाना और रोकथाम करना।
- विशेष कार्य: डीआरआई SCOMET (स्पेशल केमिकल्स, ऑर्गेनिज़्म्स, मैटेरियल्स, इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी) से जुड़े मामलों की भी जांच करता है।

Result Mitra
2024/12/13 09:15

डीआरआई के बारे में:

- मादक पदार्थ, सोना, वन्यजीव उत्पाद, नकली मुद्रा और वाणिज्यिक धोखाधड़ी से संबंधित मामलों को रोकना और संगठित अपराध समूहों के खिलाफ कार्रवाई करना।

Result Mitra

2024/12/13 09:15

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

- भारत में कोकीन तस्करी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, विशेष रूप से दक्षिण अमेरिका और अफ्रीकी देशों के सीधे मार्गों के माध्यम से।
- 2023-24 में हवाई मार्ग से कोकीन तस्करी के 47 मामले दर्ज हुए, जबकि 2022-23 में यह संख्या 21 थी।
- अमेरिका, थाईलैंड और अन्य देशों से हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की तस्करी हो रही है।

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

- एक नई खतरनाक प्रवृत्ति के रूप में "ब्लैक कोकीन" उभर रही है।
- इसे चारकोल या आयरन ऑक्साइड के साथ छिपाकर एक काले पाउडर के रूप में तैयार किया जाता है, जिससे यह पहचान से बच जाता है।

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

अवैध सोने का आयात:

- भारत अवैध सोने का एक प्रमुख गंतव्य बन गया है।
- यह मुख्य रूप से यूएई और सऊदी अरब से कम कीमतों पर आयात किया जाता है

पूर्वी सीमाओं की तस्करी:

- बांग्लादेश और म्यांमार के साथ छिद्रपूर्ण सीमाओं के माध्यम से तस्करी बढ़ रही है।
- असम और मिजोरम जैसे राज्यों में मेथमफेटामाइन की तस्करी चिंता का विषय है

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

मुक्त व्यापार समझौते का दुरुपयोग:

- व्यापारी एफटीए के तहत आयातों का गलत वर्गीकरण और नकली दस्तावेज़ों के माध्यम से दुरुपयोग कर रहे हैं।

वन्यजीव अपराध:

- हाथी दांत की मांग के कारण अवैध शिकार बढ़ रहा है।
- स्टार कछुए, मोर, पैंगोलिन और तेंदुओं की तस्करी में वृद्धि हो रही है।

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

नार्को तस्करी के मार्ग:

- गोल्डन क्रिसेंट: अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान से भारत में हेरोइन की तस्करी।
- गोल्डन ट्राएंगल: म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से सिंथेटिक ड्रग्स की तस्करी।
- समुद्री मार्ग: कंटेनरों और मछली पकड़ने वाली नावों में ड्रग्स छिपाकर तस्करी।
- हवाई मार्ग: सामान और कूरियर पैकेज में ड्रग्स छिपाकर या म्यूल्स द्वारा निगलकर तस्करी।

डीआरआई के बारे में:

रिपोर्ट के बारे में

वैश्विक पहल:

- यूएनओडीसी: मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान।
- आईएनसीबी: मादक पदार्थ नियंत्रण संधियों के अनुपालन की निगरानी।
- पेरिस संधि: अफगान अफीम की तस्करी से निपटने पर केंद्रित।

डीआरआई के बारे में:

भारतीय पहल:

- एनडीपीएस अधिनियम, 1985: नशीली दवाओं के नियंत्रण के लिए कानूनी ढांचा।
- एनसीबी: इस कानून प्रवर्तन की नोडल एजेंसी।
- एएनटीएफ: राज्य स्तर पर कानून प्रवर्तन को मजबूत करना।

डीआरआई के बारे में:

भारतीय पहल:

- एनएपीडीडीआर: नशीली दवाओं की मांग कम करने के लिए जागरूकता और पुनर्वास।
- नशा मुक्त भारत अभियान: नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

UPSC Syllabus Relevance:

- जीएस पेपर 2: विकास प्रक्रियाएँ और विकास उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों , विभिन्न समूहों, संघों, दाताओं, धर्मार्थ संस्थाओं, संस्थागत और अन्य हितधारकों की भूमिका

2024/12/13 09:15

Result Mitra

current Affairs
shorts

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

15 dec – Hand written notes

चर्चा में क्यों?

- यह दिवस प्रत्येक वर्ष 11 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनीसेफ) की स्थापना की याद में मनाया जाता है। 1953
- यूनीसेफ का विस्तार: 1950 में इसका दायरा बढ़ा, ताकि विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- 1953 में यूनीसेफ संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का स्थायी सदस्य बन गया।
- **महत्व:** यह दिवस बच्चों की भलाई, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, और शोषण व हिंसा से सुरक्षा के लिए यूनीसेफ की निरंतर प्रतिबद्धता को याद दिलाता है।

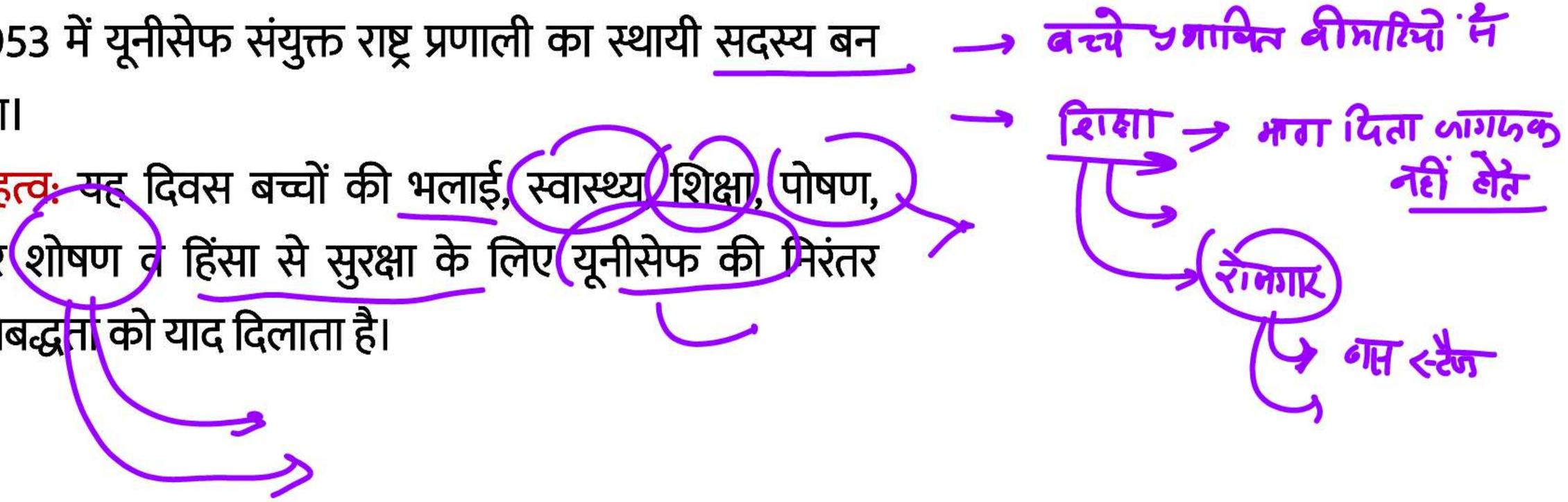

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- **वैश्विक सहयोग का महत्व:** यह दिन बच्चों की समस्याओं को सुलझाने, समान अवसरों के लिए अभियान चलाने और गरीब बच्चों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर देता है।

Daily Current Affairs

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- UNICEF का फाउंडेशन डे 2024 का विषय: "Listen to the Future" (भविष्य को सुनो), जिसका उद्देश्य है कि वयस्कों को बच्चों की आवाज़ सुननी चाहिए ताकि एक बेहतर दुनिया बनाई जा सके ।
- UNICEF की स्थापना 1946 में हुई थी, यह संगठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बच्चों और युवाओं की मदद के लिए बनाया गया था।

2024/12/13 09:15

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- इसका उद्देश्य उन बच्चों की मदद करना है जिनका जीवन और भविष्य संकट में था, चाहे उनका देश युद्ध में किस भूमिका में था।
- **कार्यक्षेत्र:** UNICEF 190 से अधिक देशों और क्षेत्रों में कार्य करता है, और इसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे के अधिकारों की रक्षा करना है।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- **वित्तपोषण:** UNICEF की सभी गतिविधियाँ पूरी तरह से विश्वभर के लाखों लोगों द्वारा दी गई स्वैच्छिक सहायता और सरकार, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के साझेदारों के माध्यम से वित्त पोषित होती हैं।
- **सम्मान और पुरस्कार:** UNICEF को 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, 1989 में इंदिरा गांधी पुरस्कार, और 2006 में प्रिंसेस ऑफ़ एस्टुरियस अवार्ड प्राप्त हुआ है।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- **रिपोर्ट और पहलें:** UNICEF महत्वपूर्ण रिपोर्टें प्रकाशित करता है जैसे "The State of the World's Children" रिपोर्ट। 2012 में UNICEF ने Save the Children और United Nations Global Compact के साथ मिलकर "Children's Rights and Business Principles" विकसित किए।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

मुख्यालय: UNICEF का मुख्यालय न्यूयॉर्क सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है। इसके अलावा, इसके विभिन्न प्रमुख कार्यालय विश्वभर में हैं:

- ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज सेंटर, बुडापेस्ट, हंगरी
- प्राइवेट फंडरेजिंग और पार्टनरशिप्स, जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- सप्लाई डिवीजन, कोपेनहेगन, डेनमार्क

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- ऑफिस ऑफ़ रिसर्च – इनोकेन्टी, फ्लोरेंस, इटली
- ब्रसेल्स ऑफिस, बेल्जियम
- जापान ऑफिस, टोक्यो, जापान
- सियोल ऑफिस, कोरिया गणराज्य

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

- **UNICEF का पूरा नाम और इतिहास:** UNICEF का पूरा नाम United Nations International Children's Emergency Fund था, जिसे 1953 में बदलकर United Nations Children's Fund कर दिया गया। शुरुआत में यह यूरोप में युद्ध प्रभावित लोगों को खाद्य, वस्त्र और स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने का काम कर रहा था।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

कार्य:

- पोलियो और खसरा जैसी बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण अभियान चलाना।
- समानता के साथ शिक्षा की पहुंच बढ़ाना।
- बाल श्रम, शोषण और मानव तस्करी से बच्चों की सुरक्षा करना।
- प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों को आपातकालीन सहायता प्रदान करना।

Result Mitra

यूनिसेफ का स्थापना दिवस और भारत में बच्चों की स्थिति

महत्व:

UNICEF ने हमेशा दुनिया भर में बच्चों की जीवन स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

- बालिकाओं के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार।
- आपदाओं से प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करना।
- शिक्षा और टीकाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार।

भारत में बच्चों की स्थिति

Result Mitra

- भारत की प्रगति और चुनौतियाँ: भारत की पिछले दो दशकों में हुई प्रगति ने वैश्विक मानव विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अत्यधिक गरीबी 21 प्रतिशत तक घट गई, शिशु मृत्यु दर आधी से अधिक घट गई, लगभग 80 प्रतिशत महिलाएँ अब स्वास्थ्य सुविधाओं में बच्चा जनती हैं और दो मिलियन बच्चे स्कूल से बाहर हैं।
- 2050 तक भारत, चीन, नाइजीरिया और पाकिस्तान मिलकर दुनिया की बाल जनसंख्या का एक तिहाई से अधिक हिस्सा बनायेंगे।

2024/12/13 09:15

भारत में बच्चों की स्थिति

- भारत का अनुमानित हिस्सा 350 मिलियन बच्चों का होगा|
- भारत की आर्थिक सफलता ने सभी वर्गों की जीवन गुणवत्ता में सुधार नहीं किया है, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए।
- 2021 में चिल्ड्रन क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स (CCRI) के अनुसार, भारत 163 देशों में 26वें स्थान पर था।

Result Mitra

भारत में बच्चों की स्थिति

- वंचित बच्चों की स्थिति: ग्रामीण इलाकों, स्लम और शहरी गरीब परिवारों, अनुसूचित जातियों, आदिवासी समुदायों और अन्य वंचित वर्गों के बच्चों को गरीबी, कुपोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, बाल विवाह, स्कूल में खराब उपस्थिति, कम सीखने के परिणाम, स्वच्छता सुविधाओं और पानी की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

Result Mitra

भारत में बच्चों की स्थिति

- भारत में दुनिया की सबसे बड़ी किशोरों की आबादी है, 253 मिलियन, और हर पाँचवां व्यक्ति 10 से 19 वर्ष के बीच है। यदि यह बड़ी संख्या में किशोर सुरक्षित, स्वस्थ, शिक्षित और जीवन कौशल से लैस हों, तो भारत सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से लाभान्वित होगा।
- किशोरियों की स्थिति: किशोरी लड़कियाँ विशेष रूप से कुपोषण, बाल विवाह और गर्भधारण जैसी समस्याओं से प्रभावित होती हैं, जो उनके स्वस्थ और सशक्त जीवन जीने की क्षमता को प्रभावित करती हैं, और यह अगली पीढ़ी को भी प्रभावित करता है।

Result Mitra

2024/12/13 09:15

भारत में बच्चों की स्थिति

- प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक नामांकन दर 88.6 प्रतिशत है, लेकिन यह दर माध्यमिक स्तर पर 34.3 प्रतिशत पर गिर जाती है।
- नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2021 के अनुसार, कक्षा 3, 5, और 8 के छात्रों में 34 प्रतिशत ने लक्षित प्रदर्शन स्तर हासिल किया, जो 2017 में 48 प्रतिशत था।

Result Mitra

2024/12/13 09:15

भारत में बच्चों की स्थिति

- 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराध में 8.7 प्रतिशत का वृद्धि हुई, जिसमें 162,449 मामले दर्ज हुए।
- प्रमुख अपराधों में अपहरण (45.7 प्रतिशत) और बच्चों से यौन अपराध (39.7 प्रतिशत) शामिल हैं।

Result Mitra

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025

UPSC Syllabus Relevance:

- जीएस पेपर 2: सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन) के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

2024/12/13 09:15

Daily Current Affairs

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

चर्चा में क्यों?

- भारतीय विश्वविद्यालयों ने शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रभाव में सुधार किया है, और वैश्विक रैंकिंग में भी उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है, विशेष रूप से आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी बॉम्बे के सुधार के साथ।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

प्रमुख बिंदु:

- **क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया 2025 रैंकिंग:** यह रैंकिंग एशिया में उच्च शिक्षा के सशक्त परिदृश्य को दर्शाती है, जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार, और अंतरराष्ट्रीयकरण में प्रदर्शन करने वाले शीर्ष संस्थान शामिल हैं।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

प्रमुख बिंदु:

भारतीय संस्थानों की स्थिति:

- आईआईटी दिल्ली ने 255 रैंक सुधार के साथ 171वें वैश्विक स्थान पर कब्जा किया।
- आईआईटी खड़गपुर 147 रैंक सुधार के साथ वैश्विक स्तर पर 202वें स्थान पर है।
- आईआईटी बॉम्बे ने 69 रैंक सुधार के साथ वैश्विक स्तर पर 234वें स्थान पर जगह बनाई।
- आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर हैं।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

प्रमुख बिंदु:

- **रैंकिंग में सुधार:** इस वर्ष भारतीय विश्वविद्यालयों में से नौ टॉप 10 संस्थान अपनी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रहे, जबकि कुल 21 विश्वविद्यालय इस बार रैंकिंग में नए शामिल हुए।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- दिल्ली विश्वविद्यालय रैंक में गिरावट के साथ 220 से 299 पर पहुंच गया।
- आईआईटी दिल्ली और आईआईटी कानपुर पर्यावरणीय प्रभाव श्रेणी में वैश्विक टॉप 100 में शामिल हैं।
- आईआईटी बॉम्बे 101वें स्थान पर और आईआईटी खड़गपुर 113वें स्थान पर हैं।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- सामाजिक प्रभाव श्रेणी में भारतीय विश्वविद्यालयों को हेल्थ एंड वेलबिंग, एजुकेशन के प्रभाव और समानता पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जहां कोई भारतीय संस्थान टॉप 350 में नहीं हैं।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- स्ट्रेंथ्स: भारतीय विश्वविद्यालयों ने ज्ञान विनिमय और रोजगार और परिणाम श्रेणियों में बेहतर स्कोर किया है।
- आईआईटी दिल्ली ने सामाजिक प्रभाव (362) और पर्यावरणीय प्रभाव (55) श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा, रोजगार और परिणाम (116) और पर्यावरणीय शोध (256) श्रेणियों में भी यह टॉप है।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन – मणिपाल यूनिवर्सिटी (MAHE) को गवर्नेंस श्रेणी में भारत का शीर्ष विश्वविद्यालय माना गया है। यह समानता (390) श्रेणी में भी भारत में शीर्ष पर है।
- आईआईटी बॉम्बे को पर्यावरणीय स्थिरता श्रेणी में वैश्विक 38वां स्थान प्राप्त हुआ।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- आईआईटी खड़गपुर ने शिक्षा के प्रभाव (676) और स्वास्थ्य और कल्याण (391) श्रेणियों में भारत में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय ने ज्ञान विनिमय में भारत में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, वैश्विक 121वें स्थान पर है।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटीरैंकिंग 2025

भारत के अन्य प्रमुख संस्थान:

- आईआईटी दिल्ली और आईआईटी खड़गपुर ने सस्टेनेबिलिटी में अपने प्रयासों के माध्यम से भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र को प्रमुखता दी है, और 34 भारतीय विश्वविद्यालयों ने पिछले साल की तुलना में रैंक में सुधार किया है।

भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

- Impact of Education और Health and Wellbeing में सुधार की आवश्यकता है, लेकिन भारतीय संस्थान सही दिशा में बढ़ रहे हैं।
- आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली ने Health and Wellbeing श्रेणी में 100 से अधिक स्थानों की वृद्धि की है।

Result Mitra

भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

- आईआईटी मद्रास ने Impact of Education श्रेणी में 341 स्थान और आईआईटी बॉम्बे ने 386 स्थानों की वृद्धि की है।
- बेन सोव्टर (QS के उपाध्यक्ष) ने भारतीय संस्थानों की सराहना की जो अपनी स्थिरता को बढ़ावा दे रहे हैं।

Result Mitra

भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

वैश्विक रैंकिंग:

- इस वर्ष यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद ETH ज्यूरिख दूसरे और लुंड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कली (UCB) संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

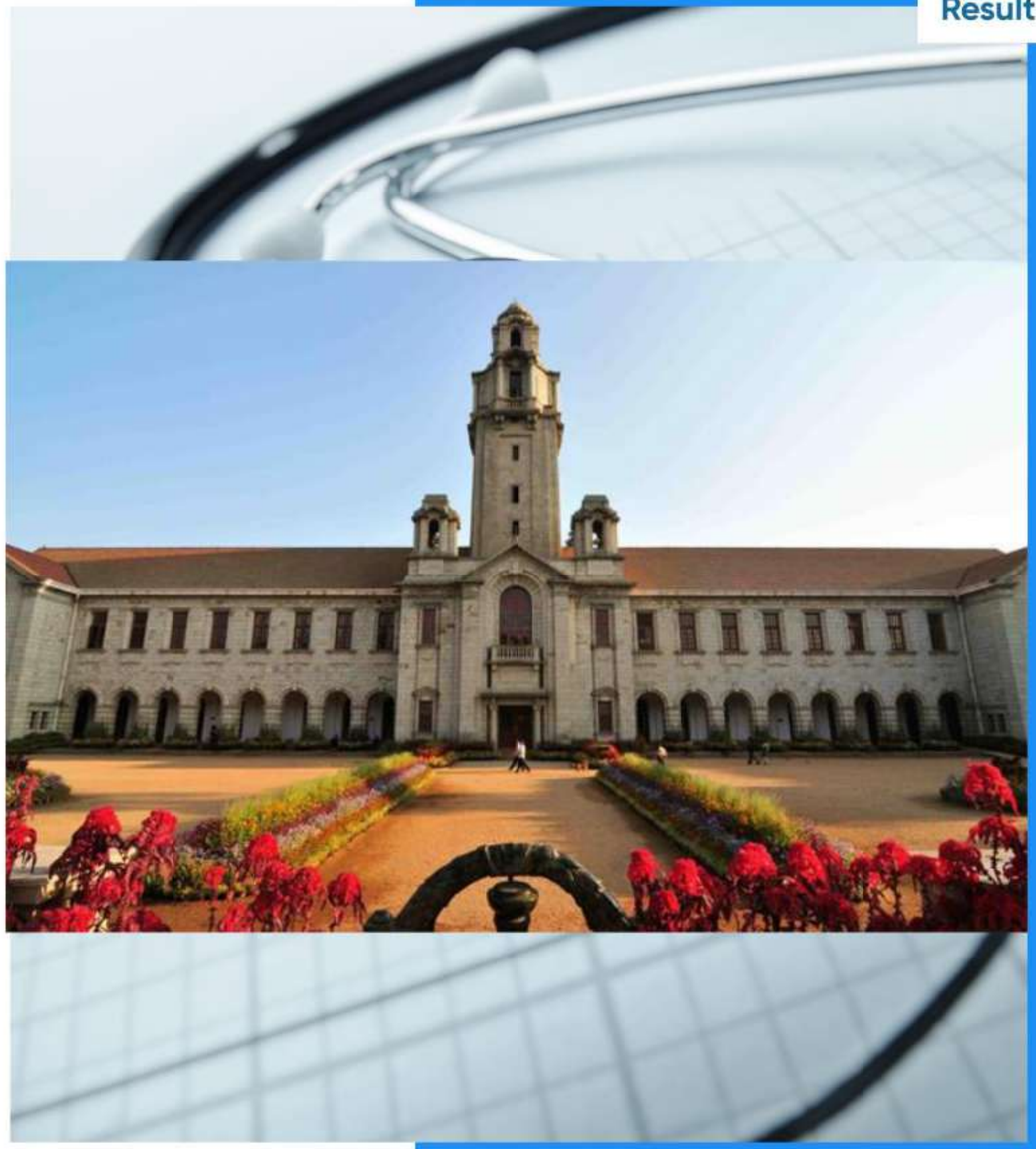

Result Mitra

भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

वैश्विक रैंकिंग:

- अफ्रीका में सात विश्वविद्यालय शीर्ष 500 में शामिल हैं, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ केपटाउन 45वें स्थान पर है।
- ऑस्ट्रेलिया में 14 विश्वविद्यालय शीर्ष 100 में हैं, जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न 9वें स्थान पर है।

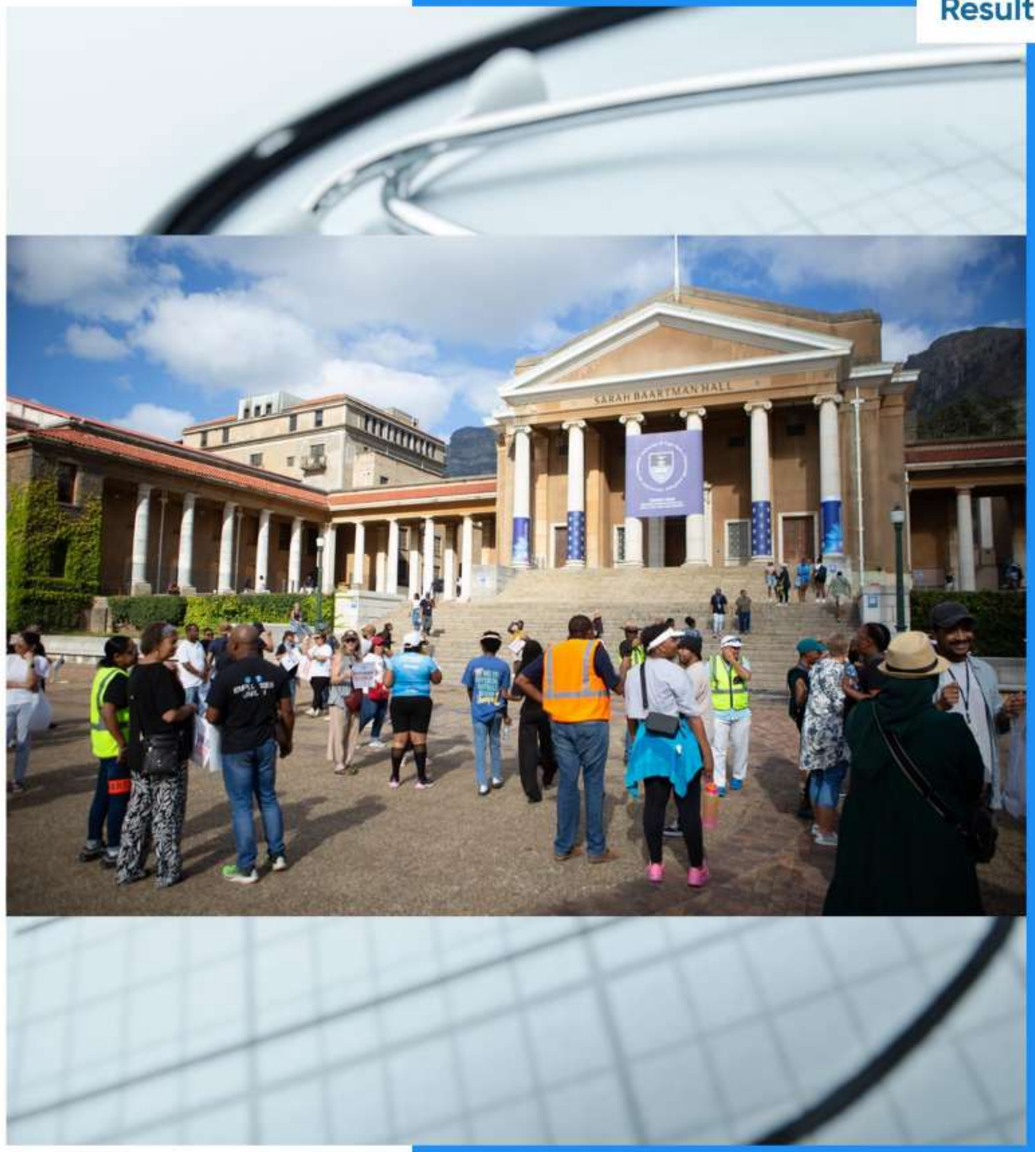

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

- क्वैक्वेरेली सिमंड्स (QS), लंदन स्थित एक वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक है।
- QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स एक वार्षिक प्रकाशन है जो विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को प्रकाशित करता है।

Result Mitra

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

यह रैंकिंग विश्वविद्यालयों की चार प्रमुख क्षेत्रों में तुलना करती है:

- 1. अनुसंधान → Experiments
- 2. शिक्षण → Education
- 3. रोजगार योग्यताएँ → रोजगार
- 4. अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण

2024/12/13 09:15

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

प्रदर्शन संकेतक:

अकादमिक प्रतिष्ठा (40%):

- यह संकेतक एक अकादमिक सर्वेक्षण पर आधारित होता है, जिसमें 94,000 से अधिक विशेषज्ञों की राय ली जाती है, जो शिक्षण और शोध गुणवत्ता के बारे में अपनी राय देते हैं।

फैकल्टी/स्टूडेंट अनुपात (20%):

- यह अनुपात शैक्षिक स्टाफ की संख्या और विद्यार्थियों की संख्या के बीच का अनुपात है।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

प्रदर्शन संकेतक:

साइटेशन प्रति फैकल्टी (20%):

- यह संकेतक किसी संस्थान द्वारा किए गए सभी शोध पत्रों की कुल साइटेशन संख्या को पांच वर्षों के दौरान फैकल्टी सदस्यों की संख्या से विभाजित करके मापा जाता है।

Result Mitra

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

प्रदर्शन संकेतक:

नियोक्ता प्रतिष्ठा (10%):

- यह सर्वेक्षण नियोक्ताओं द्वारा किया जाता है, जिसमें 45,000 प्रतिक्रियाएँ प्राप्त होती हैं, जो यह दर्शाती हैं कि कौन से संस्थान से वे सबसे अधिक सक्षम, नवाचारी और प्रभावी स्नातक प्राप्त करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी/स्टूडेंट अनुपात (5% प्रत्येक):

- यह माप संस्थान की सफलता को दर्शाता है, जो विदेशी फैकल्टी और विद्यार्थियों को आकर्षित करने में सफल रहता है।

Result Mitra

2024/12/13 09:15